जय राज राजाओं प्रस्तुत किये पोषित
जय कहीं नही धनी पोषित
जय सीमा मुक्त आकार पोषित
जय अग्नि रुपी पोषित
जय सिन्दूर नायिका पोषित
जय चंद्रमा की शक्ति पोषित
जय दरिद्रता पुरस्कार पोषित
जय सकल वर देता पोषित
जय श्री अनुग्रह देता पोषित
जय तहरवाना रुपिणी पोषित
जय नवग्रह दोष हटाता योगय पोषित
जय कर्म प्रतिक्रिय सत्तारूढ़ पोषित
जय शक्ति देता पोषित
जय सकल देवता के आकार पोषित
जय चंडि काली पोषित
जय अतर्वण भद्रकाली पोषित
जय डर हटाता योग्य पोषित
जय विपत्ति हटाता पोषित
जय अभिशाप हटाता पोषित
जय पाप हटाता पोषित
जय डर हटाता पोषित
जय रोग हटाता पोषित
जय बुराई शक्तियों वनीकरण पोषित
जय सकल सौभाग्य व्यवहार करता पोषित
जय अनुग्रह अनुदान पोषित
जय बचचे वर सप्लाई पोषित
जय मौत से डर हटाता पोषित
जय सुरक्षित करता पोषित
जय प्रतीक्षा स्थायी पोषित
जय दयालुता सागर पोषित
जय चंद्रमा रुपिणी पोषित
जय बाधाओं टूटता पोषित
जय सफलता देता पोषित
जय बिल्ली सुनामी एक्शन हटाता पोषित
जय सदा अनुग्रह देता पोषित
जय दुविधा मे जीवित पोषित
जय खतरे में आ रहा पोषित
जय वर देता माँ पोषित

जय माँ जैसे आ रहा पोषित
जय वैदिक नायकि पोषित
जय छाया जैसे आ रहा पोषित
जय सिद्धों भी पोषित पोषित
जय वैरी से डर हटाता पोषित
जय कभी कभी जरुरत पर जोर देता पोषित
जय धन धान्य देता पोषित
जय अष्टमी होमा में आ रहा पोषित
जय बच्चा जैसा हँस पोषित
जय अधर्म हटाता पोषित
जय धर्म जरुरत पर देता पोषित
जय पीडाओं हटाता पोषित
जय आनंद देता पोषित
जय दरिद्रता हटाता पोषित
जय समृद्धि अनुग्रह देता पोषित
जय शोक हटाता पोषित
जय सुख देता पोषित
जय साधन देता पोषित
जय स्वास्थ्य अनुग्रह देता पोषित
जय शक्ति पीठं जैसे स्थित रहता पोषित
जय प्रतिदिन विसंवाहक पोषित
जय अंधेरा हटाता पोषित
जय प्रकाश देता पोषित
जय दैनिक ज्योति पोषित
जय मार्ग दर्शक पोषित
जय परिवार का रक्षक पोषित
जय भक्त प्रियायै पोषित
जय दासों के घर पर रहता पोषित
जय राहुकाल नायकि पोषित
जय राहुकाल पूजा भार रहता पोषित
जय पादकमल पूजा भार रहता पोषित
जय आप के पाद कमल पूजा करने जगह रहता पोषित
जय खजूर शदृह भार रहता पोषित
जय नमक के बिना पकौडी भ्र रहता पोषित
जय तलाश वर देता पोषित
जय वेण्पाक्कम में स्थित रहता पोषित
जय प्रत्यंगिरा पीठं में स्थित रहता पोषित
जय प्रत्यंगिरा जय जय प्रत्यंगिरा माँ पोषित

पोषित। पोषित।।

ऊँ श्री प्रत्यंगिरायै नमः
जय प्रत्यंगिरे। जय जय प्रत्यंगिरे ।।
ऊँ श्री गुरुब्यो नमः

श्री जय प्रत्यंगिरा पीठं

श्री श्री प्रत्यंगिरा दास स्वामिगल
प्रेरित
श्री जय प्रत्यंगिरा
प्रतिदिन राहुकाल पुजा
दीप नमस्कार

कार्यलय : नं.5, कृष्णसामी स्ट्रीट,
मारुती प्लाट्स, निचे वाला तल,
(जाय अलुकार कार्यालय के आगे)
ती.नगर, चेन्नई-600017. फोन : 044-42024647
सेल : 98400 86373/90252 33000

पीठ स्थल :

नं.40, वेन्पाक्कम ग्राम,
सिंगपेरुमाल कोवील, (वया रईलवे गेट)
वेंगटापुरम पोस्ट, चेंगलपट्टू तालुका
कांचीपुरम - 603 204.

ऊँ श्री प्रत्यंगिरायै नमः
जय प्रत्यंगिरे। जय जय प्रत्यंगिरे ।।
ऊँ श्री गुरुब्यो नमः

श्री श्री प्रत्यंगिरा दास स्वामिगल दुनिया में दैनिक राहुकाल पूजा और दीप प्रणालियाँ प्रकाश डाला जाएगा। दीप लोडना बहुत शक्तिशाली उपाय है। अतर्वण मद्रकाली श्री जय प्रत्यंगिरा देवि के लिए उचित राहुकाल में प्रतिदिन दीपों लोड़ पूजा करने में कई सूक्ष्म रहस्याँयें नियंत्रण में है।

पृथ्वी पर रहने वाले लोगों के लिए पहली बार कोई और नहीं अनकहा सरल दीप पूजा विधियाँ श्री श्री प्रत्यंगिरा दास स्वामिगल ने पीडित भक्तों के लिए कह रहे हैं।

घर पर प्रति दिन राहुकाल में भारित दीप तुरंत विपरीत परिस्थितियों पर संबोधित करेंगे। असमर्थ लोग प्रातः या सायंकाल छे बजे से सात बजे तक दोहराना।

पीतल, तांबा या चाँदी से बने एक प्याले में बीज हटाने खजूर रख दो ड्रप शहद छोड दें।

एक गिलास पानी भी रखना। साफ घी या लि का तेल दो मृद्र। अकोल दीपों भार। आप के याचिका सोच नीचे दिये गये मंत्राएँ कहो। पूजा तो आराम से करो। उम्मीद मत छोडो।

मंत्राएँ :

1. ओं अच्छा गुरु की जय हो। गुरु ही साथी है। – 21 बार

2. ओं गं गणपतये नमः – 16 बार

3. ओं श्री जय प्रत्यंगिरायै विद्महे भक्त प्रिप्रयाये दीमही तन्नो देवि प्रचोदयात। – 108 बार

4. जय प्रत्यंगिरे जय जय प्रत्यंगिरे – 108 बार

फिर धूप, दीप, दिखाकर खजूर, पानी ये निवेदन करो। फिर कपूर दिखाकर नमस्कार करना। पुजा की गई जगह पर एक रात प्रसाद और पानी होना चाहिए। अगले दिन पूजा करने पहले पानी पीकर प्रसाद खाना। साफ घी या तिल का तेल से भरा दीप चमकते समय घर में लक्ष्मी कदम क्षम रुपी में रहते हैं। बाधाओं हटाकर जादू रो बचावें। इस पूजा से कई लोग लाभ कमाते रहते हैं।

श्री जय प्रत्यंगिरा पीठं

श्री श्री प्रत्यंगिरा दास स्वामिगल प्रेरित श्री जय प्रत्यंगिरा पोषित

जय जय प्रत्यंगिरा	पोषित
जय मंगल रुपिणी	पोषित
जय दुनिया का राज माता	पोषित
जय अखिलांड कोटि ब्रह्मांड नायकी	पोषित
जय उग्र रुपी	पोषित
जय सिम्ह रुपिणी	पोषित
जय अष्ट साँप होने वाली	पोषित
जय अधुमी चंद्रमा अर्द्ध विजयी	पोषित
जय खोपडी पहनने का	पोषित
जय ट्राइडेंट हाथ में है	पोषित
जय बसम तामारु हाथों में	पोषित
जय नीला वर्णी	पोषित
जय सिम्मत में बैठक	पोषित
जय आपके पैर चरण	पोषित
जय अनुग्रह विकसित माँ	पोषित
जय आनंद रुपिणि	पोषित
जय भैरवन की प्रपत्र	पोषित
जय भुगतना हटाना जा रहा	पोषित
जय सर्व शक्ति	पोषित
जय बचाव शक्ति	पोषित
जय सर्व साधन प्रदान करना	पोषित
जय लक्ष्मी के आकार	पोषित
जय नवग्रह नायकि	पोषित
जय स्थिति हटाना	पोषित
जय मंगल व्यवहार करता	पोषित
जय सरस्वती के रुप	पोषित
जय सरभर के रुप	पोषित
जय महाशक्ति	पोषित
जय दुश्मनों वनीकरण	पोषित
जय योग अनुग्रह करता	पोषित
जय जीवन जरूरत पर जोर दोता	पोषित
जय सदा स्थित सहना	पोषित
जय सब कुछ हो	पोषित
जय प्रिय के आकार	पोषित